B.A.(with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem VI

BA36B-3 - Hindi Literature हिन्दी साहित्य

P. Pages : 2 **GUG/W/16/5055**

Time : Three Hours * 0 1 5 9 * Max. Marks : 80

सूचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. ''दान से मन का लोभ कम होकर आत्महित होता है ।'' इस कथन का विवेचन दान निबंध के आधार पर कीजिए । **20**

अथवा

पाणिवाद का आशय स्पष्ट करते हुए 'पाणिवाद' निबंध का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

2. निम्नलिखित समूहों में से **किसी एक** ही समूह के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **20**

समूह 'अ'

1) दिनभर उद्योग करके अन्त में शाम को और सुबह को भगवान का स्मरण करना चाहिए । दिनभर पाप करके झूठ बोलकर लफबाजी करके प्रार्थना नहीं होती, वरन् सत्यकर्म करके दिन सेवा में बिता करके वह सेवा शाम को भगवान को अर्पण करनी चाहिए ।

2) ''कमबख्तो, तैमूर का वंशज द्वारा कुत्ते की तरह घुटकर नहीं, एक बहादुर की तरह लडते-लडते मरेगा'' और उसने उछलकर अपना चाकू अपने हत्यारोंपर चलाया ।

3) उद्योंगो की मुख्य भूमिका पर गौर करने से यह स्पष्ट झलकता है कि इसके कार्य किसी न किसी दिशा से राष्ट्रीय विकास और राष्ट्रीय समृध्दि को प्रभावित करते है । उच्चतर कार्यस्तर की उपलब्धियाँ आवश्यक है ।

4) अमिरी का धन एक जगह संचय समाज का फीलपॉव रोग है । धन जब एक जगह संचित होता है, तो दूसरी जगह अभाव उत्पन्न करता है । श्रम की नींव पर बनने वाला जीवन भितर से संतोष देता है आर्थिक बटवारे को न्यायपूर्ण बनाता है, ईर्ष्या, लोभ, बेईमानी, काहिली जैसे बुराइयों से हमें बचाता है ।

अथवा

समूह ''ब''

5) अंग्रेजी में एक कहावत है, 'इग्नोरेन्स इज ब्लिस ।' महाकवि तुलसीदास भी कह गए है, सबसे भले वे मूढ़ जिनहि न व्यापहि जगत गति, अगर आप मूर्ख नही है, तो अब बन जाइए, सारी चिंताओ से मुक्ति मिल जाएगी । मेरी सलाह अगर आप मानें, तो मेरे साथ प्रार्थना कीजिए ।

6) अपने जीवन में तीन बातों को प्रधान पद देता हूँ । इनमें पहली है उद्योग । अपने देश में आलस्य का भारी वातावरण है । यह आलस्य बेकारी के कारण आया है । शिक्षितों का तो उद्योग से कोई ताल्लुक ही नहीं रहता, और जहाँ उद्योग नहीं वहाँ सुख कहाँ ? मेरे मत से जिस देश से उद्योग गया उस देश को भारी घुन लगा समझना चाहिए ।

7) जिस मनुष्य की बुध्दि और चतुराई उसके दृढ़ हृदय के आश्रय पर ही स्थित रहती है, वह जीवन और कर्म क्षेत्र में स्वयं भी श्रेष्ठ और उत्तम रहता है और दूसरो को भी श्रेष्ठ और उत्तम बनाता है ।

8) मृत्यु के संबंध में मनुष्य के ज्ञान कोष का सर्वोत्तम रत्न यही है कि मनुष्य अधिक जीने का पुरुषार्थ करे, पर उसे मनुष्य की तरह मरने का जब भी अवसर मिले, तो वह चुके नहीं ।

3. निम्नलिखित समूहों में से **किसी एक** ही समूह के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 20

समूह 'क'

1) हिन्दी में दलित साहित्य की रचनाएँ कौन-कौन सी है ?

2) हिन्दी दलित साहित्य के प्रमुख लेखकों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3) अलंकार किसे कहते है। साहित्य में उसके महत्व को समझाइए।

4) अलंकारो के नाम बताते हुए शब्दालंकार की परिभाषा लिखिए।

समूह 'ख'

5) हिन्दी दलित साहित्य परिभाषा स्पष्ट कीजिए।

6) दलित शब्द की व्याख्या और उत्पत्ति लिखिए।

7) अर्थालंकार की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

8) यमक अलंकार का कोई एक उदाहरण लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए। 10

1) जीवन की तीन प्रधान बातों का उल्लेख कीजिए।

2) मनुष्य की बुध्दि परिपक्व कब होती है ?

3) लक्ष्यों के ढ़ाँचे की तैयारी और पूर्व घोषणा के क्या परिणाम होंगे ? लिखिए।

4) ''उपभोक्ता का हित' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5) दान के प्रकार लिखिए। सही दान कौनसा है ?

6) मूर्ख बने रहने में क्या समझदारी है ?

7) शरीर के साथ श्रम क्यों आवश्यक है ?

8) मृत्यु क्या है ?

9) शब्दालंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

10) हिन्दी के कोई चार दलित साहित्यकारों के नाम लिखिए

5. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए। 10

1) 'पाणिवाद' का आशय स्पष्ट कीजिए।

2) दलित साहित्य की परिभाषा दीजिए

3) 'भोलाराम का जीव' पाठ का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

4) अलंकार का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके भेदो का उल्लेख कीजिए।

5) 'जीवन के तीन प्रधान बाते' निबंध के लेखक कौन है ?

****

munotes.in